



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2666]

नई दिल्ली, शक्रवार, जुलाई 13, 2018/आषाढ़ 22, 1940

No. 2666]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 13, 2018/ASHADHA 22, 1940

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 2018

**का.आ. 3437(अ).—** जबकि, केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय अन्वेषण अधिनियम, 2008 (2008 का 34) (जिसे इसमें इसके बाद उक्त अधिनियम के रूप में संदर्भित किया गया है) की धारा 11 की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 8 फरवरी, 2016 की अधिसूचना संख्या का. आ. 398 (अ) के तहत सिटी सिविल एवं अपर सत्र न्यायाधीश, ग्रेटर बॉम्बे के न्यायालय को उक्त अधिनियम की धारा-11 की उप-धारा (1) के प्रयोजनार्थ अनुसूचित अपराधों के विचारण के लिए विशेष न्यायालय के रूप में अधिसूचित किया था, जिसका क्षेत्राधिकार संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य था;

और जबकि, श्री वी. पी. अवहद, सिटी सिविल एवं अपर सत्र न्यायाधीश, ग्रेटर बॉम्बे, जिन्हें भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 5 जून, 2017 की अधिसूचना संख्या का. आ. 1786 (अ) के तहत उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता करने के लिए न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था, का स्थानांतरण हो गया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय अन्वेषण अधिनियम, 2008 (2008 का 34) की धारा-11 की उप-धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा 5 जून, 2017 की अधिसूचना संख्या का. आ. 1786 (अ) का अधिक्रमण करते हुए, सिवाय उन कार्यों के, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पूर्व सम्पादित कर लिया गया था अथवा करने से लोप कर दिया गया था, बॉम्बे उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश पर श्री डी. ई. कोथालीकर, सिटी सिविल न्यायालय एवं अपर सत्र न्यायाधीश, मुंबई को उक्त विशेष न्यायालय के न्यायाधीश के बतौर अध्यक्षता करने हेतु एतद्वारा नियुक्त करती है।

[फा. सं. 17011/50/2009/आईएस-IV (पार्ट-III)]

प्रवीण वशिष्ठ, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS****NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th July, 2018

**S.O. 3437(E).**—Whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the National Investigation Act, 2008 (34 of 2008) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government had, *vide* notification number S.O. 398 (E) dated the 8<sup>th</sup> February, 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), notified the Court of the City Civil and Additional Sessions Judge, Greater Bombay, as the Special Court for the purposes of sub-section (1) of section 11 of the said Act having jurisdiction throughout the State of Maharashtra for the trial of Scheduled Offences;

And whereas, Shri V.P. Avhad, City Civil and Additional Sessions Judge, Greater Bombay, who was appointed as the Judge to preside over the said Special Court *vide* notification number S.O. 1786 (E) dated the 5<sup>th</sup> June, 2017, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), has been transferred;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 11 of the National Investigation Act, 2008 (34 of 2008) and in supersession of the notification number S.O. 1786 (E) dated the 5<sup>th</sup> June, 2017, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, on the recommendation of the Hon'ble Chief Justice, High Court of Bombay, hereby appoints Shri D.E. Kothalikar, City Civil Court and Additional Sessions Judge, Mumbai, as the Judge to preside over the said Special Court.

[F. No. 17011/50/2009/IS-IV (Part-III)]

PRAVEEN VASHISTA, Jt. Secy.